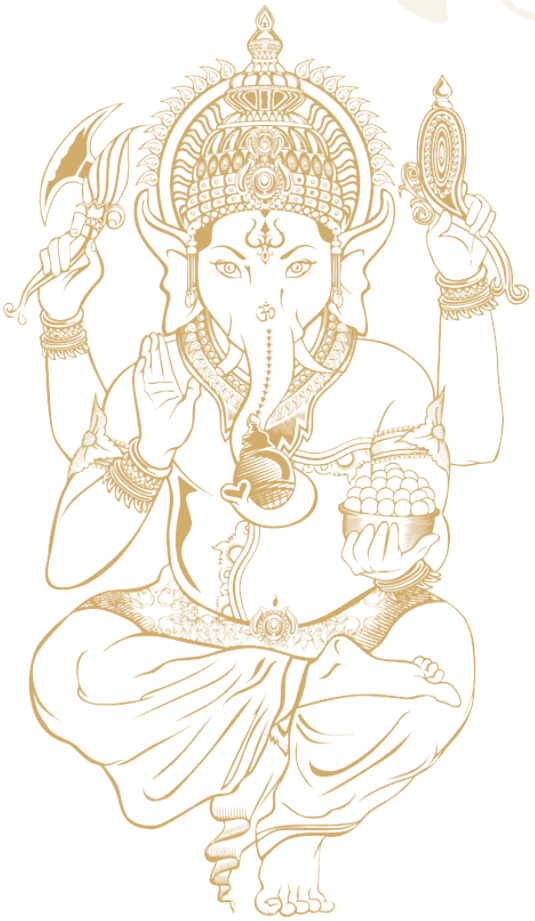

Mr.

19 Jun 1991

02:35 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121690605

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/06/1991**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**14:35:00 घंटे**
इष्ट	23:17:16 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:17:12 घंटे
वेलान्तर	-00:01:09 घंटे
साम्पातिक काल	08:05:34 घंटे
सूर्योदय	05:16:05 घंटे
सूर्यास्त	19:21:54 घंटे
दिनमान	14:05:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	03:51:47 मिथुन
लग्न के अंश	03:24:36 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्यतिपात
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:24:36	309:06:23	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	03:51:47	00:57:16	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कन्या	06:17:34	13:10:03	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	मित्र राशि
मंगल			कर्क	20:23:28	00:35:58	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध		अ	मिथु	06:34:06	02:10:59	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	स्वराशि
गुरु			कर्क	18:24:35	00:11:03	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	19:06:36	00:54:48	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
शनि	व		मक	12:14:30	00:02:58	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		धनु	25:24:03	00:00:11	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु	व		मिथु	25:24:03	00:00:11	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	18:40:51	00:02:19	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप	व		धनु	22:07:52	00:01:31	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	24:14:03	00:01:11	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	05:30:15	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:32

लग्न-चलित

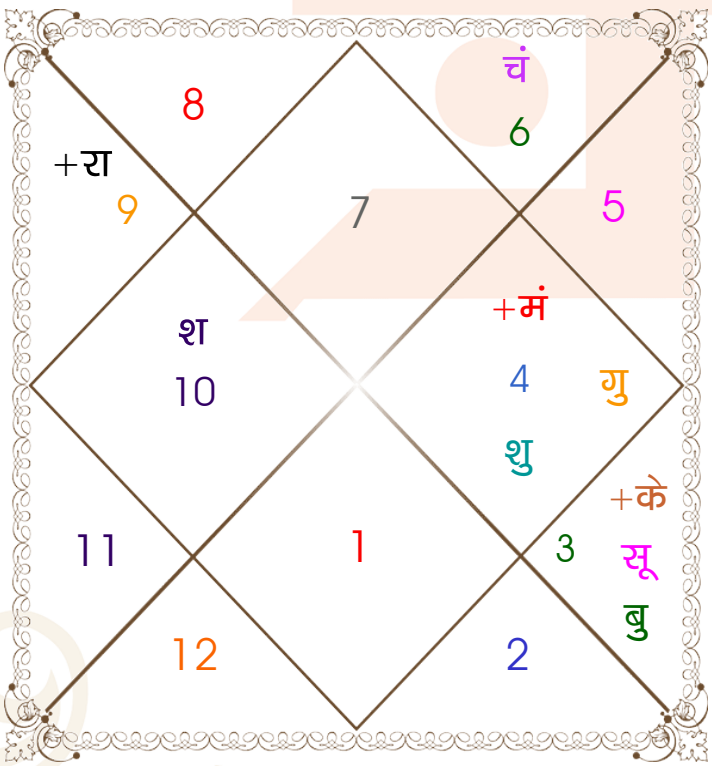

चन्द्र कुंडली

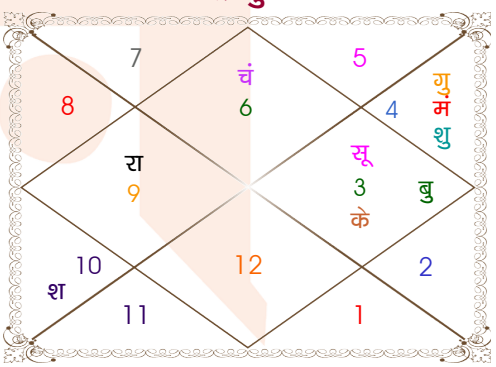

नवमांश कुंडली

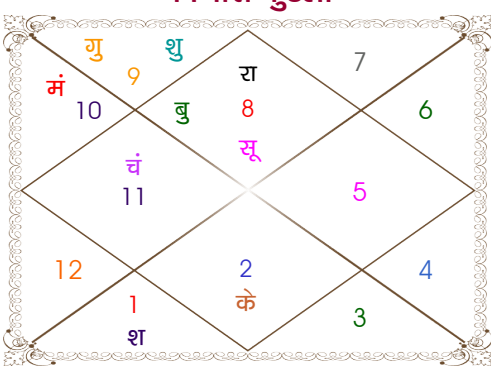

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 8 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/06/1991		17/02/1993		18/02/2003		18/02/2010		18/02/2028	
17/02/1993		18/02/2003		18/02/2010		18/02/2028		18/02/2044	
	00/00/0000	चंद्र	19/12/1993	मंगल	17/07/2003	राहु	31/10/2012	गुरु	07/04/2030
	00/00/0000	मंगल	20/07/1994	राहु	04/08/2004	गुरु	26/03/2015	शनि	19/10/2032
	00/00/0000	राहु	19/01/1996	गुरु	10/07/2005	शनि	30/01/2018	बुध	25/01/2035
	00/00/0000	गुरु	20/05/1997	शनि	19/08/2006	बुध	19/08/2020	केतु	31/12/2035
	00/00/0000	शनि	19/12/1998	बुध	17/08/2007	केतु	06/09/2021	शुक्र	31/08/2038
	19/06/1991	बुध	19/05/2000	केतु	13/01/2008	शुक्र	06/09/2024	सूर्य	20/06/2039
बुध	13/10/1991	केतु	19/12/2000	शुक्र	14/03/2009	सूर्य	01/08/2025	चंद्र	19/10/2040
केतु	18/02/1992	शुक्र	19/08/2002	सूर्य	20/07/2009	चंद्र	31/01/2027	मंगल	25/09/2041
शुक्र	17/02/1993	सूर्य	18/02/2003	चंद्र	18/02/2010	मंगल	18/02/2028	राहु	18/02/2044

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
18/02/2044		18/02/2063		18/02/2080		18/02/2087		19/02/2107	
18/02/2063		18/02/2080		18/02/2087		19/02/2107		00/00/0000	
शनि	21/02/2047	बुध	17/07/2065	केतु	16/07/2080	शुक्र	19/06/2090	सूर्य	09/06/2107
बुध	31/10/2049	केतु	14/07/2066	शुक्र	15/09/2081	सूर्य	20/06/2091	चंद्र	08/12/2107
केतु	10/12/2050	शुक्र	14/05/2069	सूर्य	21/01/2082	चंद्र	17/02/2093	मंगल	14/04/2108
शुक्र	09/02/2054	सूर्य	20/03/2070	चंद्र	22/08/2082	मंगल	20/04/2094	राहु	09/03/2109
सूर्य	22/01/2055	चंद्र	20/08/2071	मंगल	18/01/2083	राहु	19/04/2097	गुरु	26/12/2109
चंद्र	22/08/2056	मंगल	16/08/2072	राहु	06/02/2084	गुरु	19/12/2099	शनि	08/12/2110
मंगल	01/10/2057	राहु	05/03/2075	गुरु	12/01/2085	शनि	19/02/2103	बुध	20/06/2111
राहु	07/08/2060	गुरु	10/06/2077	शनि	21/02/2086	बुध	20/12/2105		00/00/0000
गुरु	18/02/2063	शनि	18/02/2080	बुध	18/02/2087	केतु	19/02/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 8 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।